गुरु जी पधारिया मेहमान आज म्हारे आंगन में

गुरु जी पधारिया मेहमान,
आज म्हारे आंगन में।bd।

सतगुरु आया आनन्द छाया,
फूला वाली सेज बिचाया,
कंकु का तिलक लगाय,
मौज गणी दर्शन में।
गुरुजीं पधारिया मेहमान,
आज म्हारे आंगन में।bd।

गादी तकिया सेज बिछाउ,
गुरु दाता ने पलंग पोड़ाऊं,
दर्शन करा जी अपार,
प्रेम बसावा हिरदा में।
गुरुजीं पधारिया मेहमान,
आज म्हारे आंगन में।bd।

गुरु महिमा को पार न पावे,
सभी सखियां मंगल गावे,
गूँज रही जय जयकार,
इंदर बरसे सावन में।
गुरुजीं पधारिया मेहमान,
आज म्हारे आंगन में।bd।

गोकुल स्वामी सतगुरु दाता,
दे उपदेश जीव जगाता,
लादूदास दास करे पुकार,
लोटू गुरु चरणा में।
गुरुजीं पधारिया मेहमान,
आज म्हारे आंगन में।bd।

गुरु जी पधारिया मेहमान,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

– गायक / प्रेषक –
चम्पा लाल प्रजापति जी।
मालासेरी डूँगरी 89479-15979

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com